MAHANTH MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAYA, ARA

ACTIVITY REPORT

Name of the Department: Department of History

Name of activity: **One Day Workshop on 'How to Write an Abstract'.**

Level of activity: State Departmental/Institutional/State/National/International

Date of activity: 25th May 2022

Head of The department: Dr. Anupama

Name of Resource person/s: 1. 2Dr. Vijayshri, Assistant Professor, Department of Psychology, M.M. Mahila College

2.Dr. Anupama, Assistant Professor, Department of History, M.M. Mahila College

3.Dr. Sudha Niketan Ranjani, Assistant Professor, Department of Hindi, M.M.Mahila College

Number of teacher participated:8

Number of students participated: 27

Fruitful Outcome of the activity: The session was divided in two parts, first introduced participants with basics of abstract writing. Participants were familiarized with various concepts such as sources, literature review, hypothesis etc. They were explained why an sbstract is different from a paper. In the second session post lunch participants were explained through a sample discussion and written abstract on the topic temples in Bihar. Selection of a research topic, research of a study area, themes and approaches, different lens and perspectives to apply were the themes covered in the workshop. Participants were also familiarized on how to type in Hindi and English, how to use references.

In the overall workshop participants mostly from humanities background learned many aspects of abstract writing. They were distributed certificates on completion of the workshop.

Signature

MEDIA COVERAGE/PHOTOGRAPHS

Dr. Vijayshri Resource Person for the Session 1: Theoretical aspects

Ce

Certificate distribution

शोधपत्र लेखन पर कार्यशाला आयोजित

आरा। एम० एम० महिला कॉलेज के इतिहास विभाग द्वारा बुधवार को एक दिवसीय शोध पत्र लेखन कार्यशाला का आयोजन प्राचार्या प्रो आभा सिंह की अध्यक्षता में किया गया। जहां कुल 35 प्रतिभागी एवं शोध छात्रा उपस्थित रही। शैक्षणिक क्षेत्र में शोध छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए प्राचार्या ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से शोध लेखन और रिसर्च पेपर बनाने में काफी सहूलियत होगी। मानक स्तर और कम समय में अच्छा शोध पेपर तैयार हो सकेगा। प्रमुख वक्ताओं मे मनोविज्ञान विभाग की डॉ विजयश्री और इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.अनुपमा ने शोध पत्र के विभिन्न स्वरूपों के संदर्भ में अपने वक्तव्य के द्वारा प्रकाश डाला। दोनों वक्ताओं ने अपने वक्तव्य में शोध पत्र क्या है, शोध पत्र क्यों लिखना चाहिए, शोध पत्र और रिसर्च पेपर में क्या अंतर है, आगामी इतिहास विभाग का सेमिनार बिहार के मंदिरों का पुरातात्विक और साहित्यिक अध्ययन

Summary

शोधपत्र लेखन कार्यशाला महिला कॉलेज में आयोजित

महंथ महादेवानंद के इतिहास विभाग में कार्यक्रम

कार्यशाला में छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित।

एजुकेशन रिपोर्टर | आरा

महंथ महादेवानंद महिला कॉलेज के इतिहास विभाग में एक दिवसीय शोध-पत्र लेखन कार्यशाला हुई। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.आभा सिंह ने की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के संपूर्ण अकादमिक विकास के लिए शोध बहुत आवश्यक है। यह कार्यशाला छात्राओं और शोधकर्ताओं के लिए शोध-पत्र लेखन की प्रणाली से जागरूक करेगी।

प्रमुख वक्ता मनोविज्ञान विभाग की डॉ विजय श्री ने शोध पत्र क्या है, इसकी जानकारी दी। बताया कि यह शैक्षणिक प्रकाशन की एक विधि है। इसमें किसी शोध-पत्रिका (जर्नल) में लेख प्रकाशित किया जाता है। किसी संगोष्ठी में किसी विषय पर एक लेख पढ़ा जाता है। शोध-पत्र लिखने का उद्देश्य क्या है।

एक विश्लेषणात्मक शोध-पत्र किसी महत्त्वपूर्ण विषय पर नए सिरे से दृष्टिपात करता है। इससे काफी फायदा मिलता है। इतिहास विभाग की हेड डॉ.अनुपमा ने शोध-पत्र के विभिन्न स्वरूपों के संदर्भ में जानकारी दी। डॉ. सुधा निकेतन रंजनी, डॉ. लतिका वर्मा, प्रो मीना कुमारी, डॉ. खुशबू कुमारी, डॉ. मनोज कुमार, डॉ.फरीदा बानो व अन्य थे। इधर शोधार्थियों ने कहा कि ऐसे कार्यशाला के आयोजन से हमलोगों को काफी सहायता मिलती है।

Dainik Bhaskar – Press Report 26 May 2022